लिए शॉर्ट-वेव पर एक साथ प्रसारण होता था। मुंबई से प्रसारण उत्तर और पश्चिम भारत के श्रोताओं तक पहुंचता था और मद्रास केन्द्र से पूर्व और दक्षिण के श्रोताओं तक। मद्रास केन्द्र पर विविध-भारती की पहली उद्घोषणा की, तेलुगु भाषा की उद्घोषिका राजलक्ष्मी ने। दरअसल उस दिन जिस उद्घोषक को ये उद्घोषणा करनी थी वो समय पर उपस्थित न हो पाया था। राजलक्ष्मी जी की उद्घोषणा के बाद ''कर्नाटक वाद्य संगीत'' का प्रसारण हुआ। इसके बाद राजलक्ष्मी जी मद्रास केन्द्र पर 7 बरस तक विविध-भारती की उद्घोषिका रहीं। विविध भारती के मुंबई केन्द्र से पहली उद्घोषणा की शील वर्मा ने। पहले दिन से ही 'पत्रावली' का प्रसारण शुरू हो गया। चूंकि शुरू के कुछ दिन श्रोताओं के पत्रों का आना संभव ही नहीं था इसलिए पूरे एक सप्ताह 'पत्रावली' में श्रोताओं के नाम विविध-भारती का पत्र प्रसारित हुआ।

विविध-भारती पर पहला प्रसार गीत मन्ना डे के स्वर में प्रसारित हुआ- ''नाच रे मयूरा'' रचयिता थे पंडित नरेन्द्र शर्मा और संगीतकार अनिल बिस्वास। हवा महल का प्रसारण 20 अक्टूबर 1957 से आरंभ हुआ था। इस दिन जो पहला हवामहल प्रसारित हुआ था उसके लिए पंडित नरेन्द्र शर्मा ने एक विशेष संगीत नाटिका तैयार की थी- महारास।

हवामहल की पहली परिचय धुन पंडित सत्येन्दू शरत ने एक गुजराती गीत के आरंभिक अंश यानी प्रील्यूड से ली थी। दो-तीन वर्ष तक वही परिचय धुन प्रयोग में लायी गई फिर सन् 1960 में पहली परिचय धुन के आधार पर एक नई धुन बनाई जो आज तक इस्तेमाल हो रही है। विविध-भारती के विभिन्न कार्यक्रमों हेतु सुरीली परिचय धुनें तैयार करने की जिम्मेदारी निभाई अनिल बिस्वास, टी.के. जयराम अय्यर, एमिनी शंकर शास्त्री, सूर्यकुमार पाल, कृष्णा भट्टाचार्य और नीनू मजूमदार जैसे गुणी संगीतकारों ने।

विविध-भारती पर कार्यक्रमों के निर्माण और प्रस्तुति का दायित्व निभाया मधुप शर्मा, भृंगतुपकरी, शौकत कैफ़ी, रिफ़्त सरोश और

“ हवामहल की पहली परिचय धुन पंडित सत्येन्दू शरत ने एक गुजराती गीत के आरंभिक अंश यानी प्रील्यूड से ली थी। दो-तीन वर्ष तक वही परिचय धुन प्रयोग में लायी गई फिर सन् 1960 में पहली परिचय धुन के आधार पर एक नई धुन बनाई जो आज तक इस्तेमाल हो रही है।

सत्येन्दू शरत् जैसी प्रतिभाओं ने। भृंगतुपकरी संगीतिका पेश करते थे। शौकत कैफ़ी- मनचाहे गीत कार्यक्रम जिससे वो इसकी शुरुआत से जुड़ी हुई थी। सत्येन्दू शरत् पर हवामहल की जिम्मेदारी थी। रिफ्त सरोश पेश करते थे गीत और गज़ल का प्रोग्राम- गजरा।

उन दिनों विविध-भारती पर प्रसारित होने वाले अन्य रोचक कार्यक्रम थे- वंदनवार (भक्ति संगीत), लोक संगीत, गीतों भरी कहानी, उदयगान, इंद्रधनुष, शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय संगीत का कार्यक्रम- राग-रंग, सुगम संगीत का कार्यक्रम- मंजूषा और फौजी भाइयों के लिए पेश किया जाने वाला जयमाला कार्यक्रम- फौजी भाइयों के लिए पहला ''विशेष जयमाला'' कार्यक्रम पेश किया था अभिनेत्री नरगिस ने। विविध-भारती के इस बेहद लोकप्रिय कार्यक्रम को पेश करने वाली अन्य मशहूर फिल्मी हस्तियों के नाम हैं- मीना कुमारी, प्रदीप कुमार, अशोक कुमार, देवआनंद, सोहराब मोदी,राजकुमार, धर्मेन्द्र, लता मंगेश्कर, आशा भोसले, शंकर-जयकिशन, ओ.पी. नैयर, सचिन देव बर्मन, गुलज़ार, चेतन आनंद, रोशन और मदनमोहन जैसे महान कलाकार।

देश के विभिन्न केन्द्रों से एक ही समय पर एक साथ कार्यक्रम प्रसारित हो सकें, इसके लिए फिल्म प्रोड्यूसर्स की विशेष अनुमति से केवल एक बार प्रसारण हेतु फिल्मी गीतों को टेप कर डब करने की सुविधा, केवल विविध भारती को प्राप्त हुई।

विविध भारती की टीम ने सन् 1957 में जहां अपने कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग शुरू की थी, वहां आजकल दूरदर्शन मुंबई की इमारत है। वर्ली के इस स्थान पर एक बैरकनुमा कमरे में विविध-भारती के कार्यक्रम रिकॉर्ड होते थे। ये जगह न तो साउंड प्रूफ थी और न ही वातानुकूलित। विविध-भारती के सर्वकालिक लोकप्रिय कार्यक्रमों में- ''भूले-बिसरे गीत'' एवं ''संगीत सरिता'' कार्यक्रम भी शामिल है। अतीत में कुछ अन्य प्रसिद्ध कार्यक्रम रहे- चित्रध्वनि, चित्रशाला, अनुरंजनी, चौबारा, रंग-तरंग, साज़ और आवाज़ वगैरह। सन् 1958 में